इनके दर्शन से सुख जीता

इनके दर्शन से सुख जीता,
इनके दर्शन से दुःख हारा,
ऐसे हैं हमारे विश्वनाथ,
ऐसे हैं हमारे ओमकारा,
इनके दर्शन से सुख जीता,
इनके दर्शन से दुःख हारा।।

अपने माथे जो इनकी भभूति मले,
अपने माथे जो इनकी भभूति मले,
जोर ना उस पे किसका ना कोई चले,
अपने भक्तो की रक्षा में,
रहते हर वक़्त खड़े,
देवों में ये महादेव हैं,
देव हैं सबसे बड़े,
जो एक बार देखे इनको,
ॐ नमः शिवाय हो जाए सफ़ल जीवन सारा,
इनके दर्शन से सुख जीता,
इनके दर्शन से दुःख हारा.....

नीलकंठ बने विष का पान किया,
मरने वालों को जीवन का दान दिया,
द्रिष्टि डाली दया की तो,
सब पे उपकार किया,
तीसरा नेत्र खोला तो,
दैत्यों का संहार किया,
इनकी ही जटा से छनके,
ॐ नमः शिवाय बहती है गंगा की धारा,
इनके दर्शन से दुःख हारा,
इनके दर्शन से सुख जीता,
इनके दर्शन से दुःख हारा,
ऐसे हैं हमारे विश्वनाथ,
ऐसे हैं हमारे ओमकारा,
इनके दर्शन से सुख जीता,
इनके दर्शन से दुःख हारा.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23457/title/inke-darshan-se-sukh-jeeta

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |